>

Title : Need to provide adequate funds to enhance the facilities in hostels meant for students belonging to Scheduled Castes category in the country particularly in Uttar Pradesh.

श्री पन्ना लाल पुनिया (बाराबंकी): मैं सदन का ध्यान देश के अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए बने छात्रावासों की बदहाल स्थिति की ओर आकर्षित करते हुए बताना चाहता हूं कि देशभर में इन छात्रावासों की स्थिति दयनीय बनी हुई है। अधिकारी कभी भी इन छात्रावासों की ओर जाकर ध्यान नहीं देते, राज्य सरकार द्वारा भी इस ओर पर्याप्त रूचि का अभाव है एवं राज्य सरकारें द्वारा बजट आबंटन भी नहीं हो रहा है। गहनता से हर छात्रावास में जाकर देखने के बाद पाया गया कि अधिकांश छात्रावासों की स्थिति अत्यंत खराब एवं दयनीय है।

शौचालय, स्नानगृह एवं कमरों की भारी कमी है। सभी छात्रावासों में भोजनालय, कॉमन हॉल, लायब्रेरी एवं मनोरंजन कक्ष उपलब्ध नहीं है। छात्रावासों की सुरक्षा, सफाई, स्वच्छ पीने के पानी, फर्नीचर, नियमित बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की भी व्यवस्था नहीं है। हर छात्र-छात्रा अपने कमरे में खाना बनाने की व्यवस्था करने को मजबूर है। दिन में दोर बार बाजार से सब्जी सामान लाना, खाना बनाना तथा बरतन चौके का काम किया जाये तो बच्चों के पास पढ़ाई का समय कहां से आयेगा। छात्रावासों में बिजली की फीटिंग नहीं है, तार खुले पड़े हैं, गेट टूटे पड़े हैं, बाथरूम के नाले बंद हैं, मैन हॉल खुले पड़े हैं, वार्डन के रहने की व्यवस्था नहीं है। बालिकाएं इन छात्रावासों में सुरक्षित नहीं हैं। कुछ छात्र-छात्राओं द्वारा पैसा इकट्ठा कर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं पूर्ण कर ली जाती हैं। आजादी के इतने वर्षों बाद भी अनुसूचित वर्ग के छात्रों हेतु बनाये गये छात्रावासों की ये बदहाल स्थिति है जबकि अन्य वर्ग के छात्रावासों के छात्र एयर कंडीशनर एवं इंटरनेट जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं का भी प्रयोग कर रहे हैं।

मैं सदन के समक्ष माननीय समाज कल्याण एवं अधिकारिता मंत्री जी से यह आग्रह करना चाहूंगा कि इस स्थिति से निपटने के हर संभव प्रयास करने की कृपा करें एवं देश भर के छात्रावासों के सुदृढ़ीकरण हेतु योजना बनाने की कृपा करें।